SHRI ALI ANWAR ANSARI (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, names may be noted. ...(*Interruptions*)... There is consensus across the board for this demand. ...(*Interruptions*)... Now, Shrimati Kanimozhi. ...(*Interruptions*)... Sorry. I missed one name. I will call you. Shri Sanjiv Kumar.

**Problems being faced by the people of Koylanchal in Jharkhand due to failure of Bharat Coking Coal Limited**

**श्री संजीव कुमार** (झारखंड) : श्रद्धेय उपसभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं इस सदन का ध्यान झारखंड के कोयलांचल क्षेत्र में बीसीसीएल द्वारा की जा रही अनियमितता एवं गैरकानूनी हरकतों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, कोयला खनन एवं इसकी ढुलाई के क्रम में कोयलांचल भारी प्रदूषण की चपेट में है। बीसीसीएल के मज़दूर ही नहीं, बल्कि सारा कोयलांचल इस प्रदूषण के कारण त्रस्त है। लोग टी.बी., अस्थमा, कैंसर इत्यादि बीमारियों से मर रहे हैं। उनके इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है। मेडिकल कॉलेज एवं सरकारी अस्पताल जर्जर हालत में हैं। प्राइवेट नर्सिंग होम्स मनमानी कर रहे हैं। बीसीसीएल के ज्यादातर बड़े अधिकारी भ्रष्टाचार की सभी सीमाओं को लांघ चुके हैं। जिनकी ज़मीन गई है, उनको compensation में मिलने वाली नौकरियां देने के बजाय इन लोगों को उलझाकर रखा जा रहा है। इस क्रम में मोजा करमाटांड, जिला धनबाद में, जहां पर करीब 98 एकड़ ज़मीन 1985-86 में अधिग्रहीत की गई थी, 1990 के दशक में इसके एवज में 104 लोगों को बीसीसीएल में नौकरी दी गई थी। उन्हें बराबर प्रताड़ित किया गया और बिना वजह समय-समय पर निलंबित किया गया। फिलहाल सभी 104 व्यक्ति निलंबित हैं। इनका कुसूर सिर्फ इतना है कि ये गरीब हैं। इनके बाप-दादाओं ने बीसीसीएल को कोयला निकालने के लिए ज़मीन दी है। बीसीसीएल ने उन्हें इस बात पर निलंबित किया है कि उक्त ज़मीन पर उन कर्मचारियों को कब्ज़ा दिलवाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। महोदय, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब मोजा करमाटांड में 1985-86 में उपरोक्त ज़मीन का अधिग्रहण हुआ था और 90 के दशक में इन 104 लोगों को नौकरियां दी गई थीं, उस समय पूर्ण रूप से उक्त ज़मीन पर बीसीसीएल का कब्ज़ा था और समय-समय पर निर्माण के कुछ काम भी उपरोक्त ज़मीन पर हुए थे। करमाटांड के उक्त 104 व्यक्तियों को जो निलंबित किया गया, वह बिल्कुल गैरकानूनी एवं तानाशाहीपूर्ण है। ऐसे हज़ारों गैरकानूनी एवं तानाशाहीपूर्ण रवैये के उदाहरण भी कोयलांचल बीसीसीएल द्वारा आम बात है। जहां तक कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉंसिबिलिटी फंड का सवाल है, इसकी बंदर-बांट का भी ज्वलंत उदाहरण यह कोयलांचल के अलावा कहीं और देखने-सुनने को नहीं मिलेगा। इस क्रम में जितना भी फंड खर्च किया जाता है, या तो दबंगों को खुश करने के लिए किया जाता है या प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में खर्च किया जाता है, जिसे एजुकेशन माफिया चलाते हैं। कोई ऐसा काम सीएसआर फंड से नहीं होता, जिसका सरोकार आम या ग्रामीण जनता से हो। बीसीसीएल में भ्रष्टाचार का बोलबाला है एवं कोयलांचल की गरीब जनता इसके खिलाफ कभी भी

उत्तेजित हो सकती है, अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि करमाटांड के उपरोक्त 104 व्यक्तियों को बीसीसीएल ने जो नौकरी से निलंबित कर रखा है, उनका निलंबन तुरंत निरस्त करके उनको वापस ड्यूटी पर लाया जाए तथा इस तरह के जितने भी मामले पेंडिंग हैं, उनका न्यायसंगत निपटारा हो।

दूसरे, जितने भी लोगों की ज़मीन का अधिग्रहण किया गया है और **...(समय की घंटी)...** compensation में नौकरी नहीं दी गई है, उसे जल्द पूरा किया जाए। **...(समय की घंटी)...** सीसीआर फंड को **...(समय की घंटी)**...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. ...(Interruptions)... Now, Shrimati Kanimozhi. ...(Interruptions)...

SHRIMATI KANIMOZHI(Tamil Nadu): Sir, my time is running. You must give me ten more seconds. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think he is deliberately trying to obstruct. ...(Interruptions)... You know that. You were also a Minister. ...(Interruptions)... Now, Shrimati Kanimozhi. Yes, it will start again.

**Harmful effects of Coal-Bed Methane exploration in the Cauvery Delta Region**

SHRIMATI KANIMOZHI (Tamil Nadu): Mr. Deputy Chairman, Sir, I wish to bring to the notice of the House the threat to environment and agriculture posed by exploration of Coal-Bed Methane. The local community belonging to the Cauvery Delta Region in Thanjavur, including youth activists, environmentalists and farmers have been protesting against this project. The exploration is done through a process known as hydraulic fracturing. Research shows that hydraulic fracturing leads to depletion of ground water, chemical and radioactive contamination of drinking water. Most importantly, it poses a huge threat to agriculture. The chemical used in the process of methane exploration is inherently dangerous. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No...(Interruptions)... What is your problem? ...(Interruptions)... What is your problem? ...(Interruptions)...

SHRIMATI KANIMOZHI: Sir, what is this? ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Navaneethakrishnan, please allow her. ...(Interruptions)...

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, let her speak. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats. I will tell you. ...(Interruptions)... After Mrs. Kanimozhi, I will allow you. ...(Interruptions)... First, you take your seat.